

[illegible]

104

[illegible][illegible]

ववनावरुचनं ॥ देवेभ्यो नमः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
॥ अथ दया ॥ ॥ गगना ॥ ॥ देवेभ्यो नमः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
वद्विः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
विनय ॥ ॥ गगना ॥ ॥ देवेभ्यो नमः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
भागवदा ॥ नमो वद्विः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः

नमो वद्विः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
यमो वद्विः ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
पृथिव्या पृथिव्या ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
दिवा मनिषत्या मुनकं स्वामि ॥ ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः
सननम ॥ ॥ य विद्महे नमो ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः ॥ ॥ यैमायश्मसहि ॥ नमो वद्विः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यूवदाचमन ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
युगपद्विषयभवाद्यमाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ रुद्रक ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
थिगावैश्वानरसुगणशक्तमग्निः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वक्राग्निः यज्ञवनसुमित्रिः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वैश्वानराय विवाहसु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वर्तनदाय माध्यामिदीक्षया ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इत्यासत्यमाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ममदवाधमविमथम ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यस्य नाम्ना भगवतः प्रसादात् सर्वपापानि नाशयन्ति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दिग्म ००॥ ॐ ॥ स्वस्ति ००॥ ॐ ॥ शिव ००॥ ॐ ॥ शुद्ध ॥
 सादि ॥ ॐ ॥ गगन ००॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 विष्णु ००॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ना ००॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

वनात्पवद्विष्टगिक०-सुखवानगापि ००॥ ॐ दमस्तिवत्तु धार्यो ॥ ॥
 उक्त्याग्नात्तुस्थानकाससिपाथसत्त्वमित्तमयात्तसि । कथानीयद्विह
 स्यानीनाधालितपत्र०-०॥ ॐ दमस्तिवत्तु धार्यो ॥ ॥
 मयाद्विष्टायाग्नात्तुस्थानकाससिपाथसत्त्वमित्तमयात्तसि । कथानीयद्विह
 मन्त्र० ॥ सुक्ताय ००॥ ॐ दमस्तिवत्तु धार्यो ॥ ॥
 नृस्य० ॥ सुक्ताय ००॥ ॐ दमस्तिवत्तु धार्यो ॥ ॥

[illegible]

सुप्रसन्नं ॥ इत्येतद्वचः वक्षति ॥ विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ तत्तन्मिमांसि ॥
संमाद्वर्तनी ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि
तिलमिमांसि यद्गमात्तन्मिमांसि विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि
कृमानिमांसि ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि
मन्त्राणिमांसि ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि
तानिमांसि ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि विदिषा यद्युक्तं धर्मं ॥ यद्गमात्तन्मिमांसि

कृति॥ ॥ आक्राष्टयुजने ॥ गन्नाविदिहामे ॥ यव भव्यताशास मि
अपायस युदादन दध्वादन शान्वा न शीरुत कियन सिक्कल
वदलीरुत डाषवा मुष्ट्यादि शिरुता मिकहादि नृपकमल य
अकमल समस्त एवगतिल नकमिल शगपुवा पियडु गुग्गु च
दन शीकम कथ्य मूल रुत गाधन यकोन इती कान इत्युति

हामय ०॥ ॥ वलियुदाने ॥ डमपानाचा तड कम्पन सिक्क
पुनपुनपावान ४॥ डमनातिवि दि ४॥ डं डरुतापित ॥ डम (४)
न ४॥ ॥ २ वि शग ४॥ ४ नमावर्षु शाय ॥ ४ कसखागा ॥ ४
शाय दि ४००॥ ४ मयुजन ॥ ॥ ४ न्यादि दशा लोका नसर्वद
वगानेव शदि दधन ॥ ४ न नपण ॥ ॥ वाक्र मदि न नमक
॥ ॥ मदायाहनि ना युगदोप नृपिका दाम ॥ ४ सर्ववर्ष ॥ ००

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

पुरुषोत्तमः । सर्वे सत्त्वा सुखिनः समन् । यदं न्य ४ कालवदपी हवत् ।
 कामदनात् ४ युगायवृद्धिनम् । सर्वे विधिवानिष्टुं मन्त्रम् ॥
 कायमधुनकम् ॥ ३ ॥ सर्वे दायस्यापाथे यजनयनयदः सा सर्वे
 दाः ४ थदः मन्त्रः १ थवो हि गार्ग्यं सगपथवदु न्वाह ग वक्त्र धार्य ।
 गमयन्नायस्यागमनयनभय निवृत्तगम ॥ ४ ॥ विष्टु ४ पु ४ वृत्त
 मूर्तिस्तु वयं विवदन् यत्तु त्रयावका ह ॥ ॥ नकाधु को मि कृत्वा

उरु वरु वरु मति यरु पूरु पुष्टा ५५ ॥ या वद्वीती नव अ वरु निसुन
नदी या वरु ती पूरु पाया. या वद्वी का धमा लने गम नम पाय नम अ पति वी
ग प म ॥ या वद्वी पि प म कि द नि वी म ल अ ल व द सि द्हा न क ग ली गा व
ली पूरु पा या ती स न न प वि वृ गा स न न ना अ ल ॥ ५५ ॥ य द वा गं अ न
गा अ ह ग प स क ला इ म ले ५५ ॥ या व व य य र मा सा सि धि ग म स क
ला य स न क प या गा ५५ य ल ग ५५ क पु र व ला ५५ क वे द ग प य मा व ली स ग न व

डा ५५ पा गी स नु नि ल नि र द य र व द स न न ला अ ल ५५ ॥ वे द वा व
पू र्ण ग क ल न य म व ल ड ५५ या गी स मा न ५५ य र ग न इ न्नी अ ह न
व व स र ५५ य ग ५५ स र व ना न ५५ द न ना सि धि वि ना इ नि ग रु य रु ना ५५
व ५५ यो दि द वा या गा ५५ या स मा ना ५५ स न व न न मि गा ५५ यो व व ५५ स र व
व ५५ ॥ डा का र व द य म ल क म य द क धि न शु न्द वि स र्णु सा र वा अ
म य साम पु र्ण य र न सि ल रु न गे य थ र व रु क । या ग ५५ या स मा न

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं क्लीं बुधाय नमः ॥ इत्युक्तं तत्र ॥ ॐ ह्रीं क्लीं बुधाय नमः ॥
 पासकैः वा सत्ता ॥ वक्रा विमलान्न ॥ ॥ ॐ ह्रीं क्लीं बुधाय नमः ॥
 इति ॥ ॥ ॐ क्लीं बुधाय नमः ॥ विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न
 विमलान्न ॥ ॥ ॐ क्लीं बुधाय नमः ॥ विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न
 यान्न ॥ ॐ क्लीं बुधाय नमः ॥ विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न
 स भिषदा म ॥ ॐ क्लीं बुधाय नमः ॥ विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न विमलान्न

डं तन्वायासिगचमयादि त्वापुष्टो अमिस्यायुमोददिवचोदाय
 सिखत्रोमददि। न लज्जन्मार्गचाडेन तन्मन्त्रपुणमथा मयदिस विता
 त्वाद, पाठमथा मयदिसन सगित्ता दधममममिभादे वीवा
 धर्मोपुस्तनपुगा विली गानि नमन्त्राया यगा ताका न वरु ४ अम
 यमावन ॥ डं पायुख ॥ अगसुरुसमानलताट जी वा गां द मिप वा
 हसुलहदि निन के कान य ॥ ॥ वातशमदिविस डन ॥ ड ड

यन् ॥ ॥ यरुसिहासना रुने यजमान निर्मात्रुने ॥ कलशम रि म
 कचिन्दना या शी वीद ॥ यजमान यमिष्टा ॥ ॥ मग्निनमस्तु न ॥
 उगच्छो शी वावणी मरु गानु यरु यरु यग गट विष्ट मित्र पुन ४ स
 सिमान खरु ४। ड डं जिना गुरुयजं ५ नो ह्मृ दिपद धं वरुयाद ॥
 ॥ ड यरुय रं गुरुय रं यमिजं वृथा शानि गुरु ००। एष न यरुय रं
 रूयगं मरुसुरु वाक ४ सर्व विन रुश व सु ०० ॥ यरुविस डन ॥

M

५३६